



Priya

24 Jun 2003

10:45 AM

Mainpuri

Model: web-freekundliweb

Order No: 121396404

लिंग \_\_\_\_\_: स्त्रीलिंग  
जन्म तिथि \_\_\_\_\_: 24/06/2003  
दिन \_\_\_\_\_: मंगलवार  
जन्म समय \_\_\_\_\_: 10:45:00 घंटे  
इष्ट \_\_\_\_\_: 13:30:57 घटी  
स्थान \_\_\_\_\_: Mainpuri  
राज्य \_\_\_\_\_: Uttar Pradesh  
देश \_\_\_\_\_: India

अक्षांश \_\_\_\_\_: 27:14:00 उत्तर  
रेखांश \_\_\_\_\_: 79:01:00 पूर्व  
मध्य रेखांश \_\_\_\_\_: 82:30:00 पूर्व  
स्थानिक संस्कार \_\_\_\_\_: -00:13:56 घंटे  
ग्रीष्म संस्कार \_\_\_\_\_: 00:00:00 घंटे  
स्थानिक समय \_\_\_\_\_: 10:31:04 घंटे  
वेलान्तर \_\_\_\_\_: -00:02:17 घंटे  
साम्पातिक काल \_\_\_\_\_: 04:38:53 घंटे  
सूर्योदय \_\_\_\_\_: 05:20:37 घंटे  
सूर्यास्त \_\_\_\_\_: 19:11:47 घंटे  
दिनमान \_\_\_\_\_: 13:51:10 घंटे  
सूर्य स्थिति(अयन) \_\_\_\_\_: दक्षिणायन  
सूर्य स्थिति(गोल) \_\_\_\_\_: उत्तर  
ऋतु \_\_\_\_\_: वर्षा  
सूर्य के अंश \_\_\_\_\_: 08:24:26 मिथुन  
लग्न के अंश \_\_\_\_\_: 18:04:29 सिंह

#### अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति \_\_\_\_\_: सिंह - सूर्य  
राशि-स्वामी \_\_\_\_\_: मेष - मंगल  
नक्षत्र-चरण \_\_\_\_\_: अश्विनी - 3  
नक्षत्र स्वामी \_\_\_\_\_: केतु  
योग \_\_\_\_\_: अतिगण्ड  
करण \_\_\_\_\_: विष्टि  
गण \_\_\_\_\_: देव  
योनि \_\_\_\_\_: अश्व  
नाड़ी \_\_\_\_\_: आद्य  
वर्ण \_\_\_\_\_: क्षत्रिय  
वश्य \_\_\_\_\_: चतुष्पाद  
वर्ग \_\_\_\_\_: सिंह  
युँजा \_\_\_\_\_: पूर्व  
हंसक \_\_\_\_\_: अग्नि  
जन्म नामाक्षर \_\_\_\_\_: चो-चोखी  
पाया(राशि-नक्षत्र) \_\_\_\_\_: रजत - स्वर्ण  
सूर्य राशि(पाश्चात्य) \_\_\_\_\_: कर्क



## विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 3 वर्ष 3 मास 11 दिन

केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष
24/06/2003	05/10/2006	05/10/2026	04/10/2032	05/10/2042
05/10/2006	05/10/2026	04/10/2032	05/10/2042	05/10/2049
00/00/0000	शुक्र 03/02/2010	सूर्य 23/01/2027	चंद्र 05/08/2033	मंगल 03/03/2043
00/00/0000	सूर्य 04/02/2011	चंद्र 24/07/2027	मंगल 06/03/2034	राहु 21/03/2044
00/00/0000	चंद्र 04/10/2012	मंगल 29/11/2027	राहु 05/09/2035	गुरु 25/02/2045
00/00/0000	मंगल 05/12/2013	राहु 23/10/2028	गुरु 04/01/2037	शनि 05/04/2046
24/06/2003	राहु 04/12/2016	गुरु 11/08/2029	शनि 05/08/2038	बुध 03/04/2047
राहु 23/09/2003	गुरु 05/08/2019	शनि 24/07/2030	बुध 05/01/2040	केतु 30/08/2047
गुरु 29/08/2004	शनि 05/10/2022	बुध 30/05/2031	केतु 05/08/2040	शुक्र 29/10/2048
शनि 08/10/2005	बुध 05/08/2025	केतु 05/10/2031	शुक्र 05/04/2042	सूर्य 06/03/2049
बुध 05/10/2006	केतु 05/10/2026	शुक्र 04/10/2032	सूर्य 05/10/2042	चंद्र 05/10/2049

राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष
05/10/2049	05/10/2067	05/10/2083	06/10/2102	06/10/2119
05/10/2067	05/10/2083	06/10/2102	06/10/2119	00/00/0000
राहु 17/06/2052	गुरु 22/11/2069	शनि 08/10/2086	बुध 04/03/2105	केतु 03/03/2120
गुरु 10/11/2054	शनि 05/06/2072	बुध 17/06/2089	केतु 01/03/2106	शुक्र 03/05/2121
शनि 16/09/2057	बुध 11/09/2074	केतु 27/07/2090	शुक्र 30/12/2108	सूर्य 08/09/2121
बुध 05/04/2060	केतु 18/08/2075	शुक्र 26/09/2093	सूर्य 05/11/2109	चंद्र 09/04/2122
केतु 23/04/2061	शुक्र 18/04/2078	सूर्य 08/09/2094	चंद्र 07/04/2111	मंगल 06/09/2122
शुक्र 23/04/2064	सूर्य 04/02/2079	चंद्र 08/04/2096	मंगल 03/04/2112	राहु 25/06/2123
सूर्य 18/03/2065	चंद्र 05/06/2080	मंगल 18/05/2097	राहु 21/10/2114	00/00/0000
चंद्र 17/09/2066	मंगल 12/05/2081	राहु 25/03/2100	गुरु 26/01/2117	00/00/0000
मंगल 05/10/2067	राहु 05/10/2083	गुरु 06/10/2102	शनि 06/10/2119	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 3 वर्ष 3 मा 13 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

## लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के द्वितीय चरण में सिंह लग्नोदय काल में हुआ था। साथ ही कन्या नवमांश एवं धनु राशि के द्रेष्काण द्वारा एक शुभ आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप भारत स्थित शहरी क्षेत्र के निवासियों के समान जो कार्य काल बसों की प्रतीक्षा और दौड़-धूप कर अपने कार्य पर पहुंचते हैं। उस प्रकार की दिक्कतों का सामना आपको नहीं करना होगा। अर्थात् जन्म के शुभ लक्षण से यह प्रतीत हो रहा है कि आपको जन्म से ही वाहन सुख प्राप्त होगा।

आपको कही भी यात्रा क्रम में सार्वजनिक यातायात के लिए गाड़ी बस ट्रान्सपोर्ट आदि प्रकार की सुविधा हेतु बिना संघर्ष के ही आपकी यात्रा के पथ प्रशस्त होंगे। कही भी बस आदि से यात्रा हेतु कतार में लगकर अपने समय का अपव्यय नहीं करना पड़ेगा। आपको अपनी यात्रा हेतु अपने पास कार-बस आदि उपलब्ध होने का लाभ एवं आनन्द प्राप्त करने का वरदान प्राप्त है। वास्तविकता तो यह है कि आपको अपने स्वयं के पास वाहनों की सुविधा युक्त समर्थ होने का सौभाग्य प्राप्त है।

आपका जीवन उत्तम प्रकार के वाहन सुखों से युक्त, आरामदायक एवं आनन्द से परिपूर्ण रहेगा। आप अपार धन, सम्पत्ति से युक्त कुशाग्र बुद्धि की विद्वान एवं अनेक कलाओं में प्रवीण होंगी। आप सर्वोत्तम प्रकार से अपना जीवन व्यतीत करेंगी। आप निम्नरूपेण उच्च श्रेणी की सेवा एवं कर्म से संबंधित रहेंगी। जो आपके लिए उपयुक्त एवं लाभप्रद प्रमाणित होगा।

आप व्यक्तिगत रूप से सतत कठिन श्रम करने वाली, उपव्यवसाय की खोज में लगे रहने वाली, दृढ़निश्चयी एवं प्रभावशाली प्राणी होंगी। आप सदा-सर्वदा कार्य विन्दु को निर्धारित समय से पूर्व संपन्न करने के पहले ही अन्य कार्य को हस्तगत करने की इच्छुक रहेंगी तथा आप निश्चित रूप से अपने अनुबंध में सफलता प्राप्त करेंगी।

आप भ्रमणप्रिय हैं। आप अपना अधिक समय घर से बाहर अन्यत्र बिताएंगी। किसी प्रकार विवश होकर कुछ समय अपने प्रिय परिवार के लिए बचाकर उनके साथ बिताएंगी। आप अपनी शक्ति एवं सामर्थ्य से सभी कार्यों को प्रसन्नतापूर्वक संपन्न कर लेंगी।

आपकी मित्र मण्डली बड़ी होगी। आपके मित्र आपको सहानुभूति पूर्वक मान-प्रतिष्ठा प्रदान करेंगे। आप अपने रास्ते से चलेंगी-वे मित्रगण आपका सहयोग करेंगे। मित्रगण आपका उच्चस्तरीय मूल्यांकन कर अपनी दिशा मोड़कर आपकी पंक्ति में खड़े होंगे अर्थात् आपको साथ देंगे।

आप मात्र अपने कर्म व्यवसाय से ही नहीं अच्छे लाभ प्राप्त करेंगी। आप तो सदैव भाग्यशाली समय अर्थात् मौके की तलाश में रहकर अपने भाग्य को दाव पर लगाकर लाभ प्राप्त करेंगी। इसका यह अर्थ नहीं कि आप सदैव ही जुआ खेलकर अपनी भाग्योन्नति हेतु प्रयास करेंगी। परन्तु आप यदा-कदा पाशे फेंक कर अपने इस कर्म को लाभदायक प्रमाणित कर सकती हैं।

आपकी महत्वपूर्ण आय प्रयाप्त है, इसमें किसी भी प्रकार की दुर्भावना नहीं है। आप बहुत धन संचय करने में समर्थ नहीं हैं क्योंकि आप जन सामान्य की नजरों में यह प्रदर्शित करेंगी कि आप अपने परिवार को एक धनाढ्य महिला की तरह भरण पोषण करती हैं। आप सदैव अपनी आय का कुछ अंश अपने घर में व्यय करेंगी।

यद्यपि आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। तथापि बाद में कतिपय रोगादि के प्रति आपको थोड़ी सतर्कता बरतना आवश्यक है। क्योंकि आपका कार्यक्रम व्यस्ततम रहता है तथा लम्बे समय तक कार्यरत रहेंगी।

आपकी यह कार्यतंत्रियाँ अधिक समय तक कार्यरत रहने के लिए सक्षम नहीं भी हो सकती है। फलस्वरूप आपके हृदय पर एवं रीढ़ की हड्डियों पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। अतएव आपको इस व्यस्ततम कार्यक्रम का प्रतिकार कर शान्तिपूर्वक विश्राम ग्रहण करना चाहिए।

आपके उत्तम स्वास्थ्य एवं जीवन पर अनुकूल प्रभाव हेतु पूर्णिमा का व्रत रखना अच्छा होगा। इससे आपको विभिन्न प्रकार का अति सहयोग प्राप्त होगा।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

परन्तु आपको सोमवार एवं शनिवार के प्रति सावधानी बरतनी चाहिए क्योंकि ये दोनों दिन आपके लिए अनुकूल नहीं हैं।

आपके लिए अनुकूल एवं प्रदोल्लित करने वाले अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक है। परन्तु अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल हैं।

आपके लिए अनुकूल रंग नारंगी, लाल एवं हरा रंग है। रंग नीला, सफेद एवं काला रंग आपके लिए प्रतिकूल रंग है।